UNIVERSITY OF MUMBAI

No.UG / 267 of 2007

CIRCULAR :-

A reference is invited to the Ordinances Regulations and syllabi relating to the M.A. degree course ***vide*** Pamphlet No.157 and to this office Circular No.UG/304 of 2004, dated 19th November,2004 and the Head, University Department of Hindi the Principals of the affiliated colleges in Arts and Professor-cum-Director, Institute of Distance Education are hereby informed that the recommendation made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 9th April,2007 has been accepted by the Academic Council at its meeting held on 13th April,2007 ***vide*** Item No.4.60 and that in accordance therewith the syllabus and pattern of question paper in the subject of Hindi at the M.A. (Parts I and II) examination has been revised as per ***Appendix*** and that the same has been brought into force with effect from the academic year 2007-2008..

MUMBAI-400 032

.1thJune, 2007

for I/c. REGISTRAR

To,

The Head, University Department of Hindi, the Principals of the affiliated colleges in Arts and Professor-cum-Director, Institute of Distance Education.

A.C./4.60/13.04.2007

No.UG/ 267 -A of 2007, MUMBAI-400 032 11th June,2007

Copy forwarded with compliments for information to :-

1) The Dean, Faculty of Arts
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi

for I/c. REGISTRAR

Copy to :-

he Director, Board of College and University Development, , the Deputy Registrar (Eligibility and Migration Section), the Director of Students Welfare, the Executive Secretary to the Vice-Chancellor, the P.A. to the Pro-Vice-Chancellor, and the Registrar and the Assistant Registrar, Administrative sub-center, Ratnagiri for information .

he Officer on Special Duty and Controller of Examinations (10 copies), the Finance and Accounts Officer (2 copies Record Section (5 copies), Publications Section (5 copies), the Deputy Registrar, Enrolment, Eligibility and ligration Section (3 copies), the Deputy Registrar, Statistical Unit (2 copies), the Deputy Registrar (Accounts ection),Vidyanagari (2 copies), the Deputy Registrar, Affiliation Section (2 copies), the Director, Institute of istance Education,(10 copies) the Director University Computer Center (IDE Building), Vidyanagari, (2 copies) the eputy Registrar (Special Cell), the Deputy Registrar,(PRO) . the Assistant Registrar, Academic Authorities Unit (2 opies)and the Assistant Registrar, Executive Authorities Unit (2 copies) . They are requested to treat this as action ken report on the concerned resolution adopted by the Academic Council referred to in the above Circular and that separate Action Taken Report will be sent in this connection the Assistant Registrar Constituent Colleges Unit (2 pies), BUCT(1 copy), the Deputy Account, Unit V(1 copy), the In-charge Director, Centralize Computing Facility copy), the Receptionist (1 copy), the Telephone Operator (1 copy), the Secretary MUASA (1 copy), the perintendent, Post-Graduate Section (2 copies), the Superintendent, Thesis Section (2 copies)

shVIIDVM/62/567

Scanned with OKEN Scanner

Enclosure to Item No. 4.60

13/4/07

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Papers in the subject of Hindi at the M.A. Parts I and II Examination

(With effect from the academic year 2007-2008)

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. हिन्दी: प्रथम खण्ड

(For the Academic Year: 2007-2008, 2008-2009 & 2009-2010)

पाठ्यक्रम

- प्रश्नपत्र क्रमांक एक : आधुनिक गद्य
  Papar No. 1 : Modern Prose
- प्रश्नपत्र क्रमांक तीन : हिन्दी साहित्य का इतिहास
  Papar No. 3 : History of Hindi Literature
- प्रश्नपत्र क्रमांक पांच : मध्यकालीन काव्य
  Papar No. 5 : Medieval Poetry
- प्रश्नपत्र क्रमांक सात : प्रयोजनमूलक हिन्दी
  Paper No. 7 : Functional Hindi
  : अथवा
  विशेष अध्ययन
  - पत्रकारिता
    Journalism
  अथवा
  - स्त्री विमर्श एवं साहित्य

<u>समिति</u>

1. डॉ. शीतला प्रसाद दुबे -समन्वयक
2. डॉ. प्रकाश मिश्र -सदस्य
3. डॉ. अशोक मिश्र -सदस्य
4. डॉ. निर्मला त्रिपाठी -सदस्य
5. डॉ. माधव पंडित - सदस्य

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग- 1
प्रश्नपत्र क्रमांक एक आधुनिक गद्य

पाठ्य-पुस्तकें

1.	नाटक	:	1. ध्रुवस्वामिनी	- जयशंकर प्रसाद
			2. आषाढ़ का एक दिन	- मोहन राकेश
2.	उपन्यास	:	1. राग दरबारी	- श्रीलाल शुक्ल
			2. पांच आंगनों वाला घर	- गोविन्द मिश्र
3.	निबन्ध	:	अशोक के फूल	- हजारी प्रसाद द्विवेदी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद अशोक के फूल, वसंत आ गया है, घर जोड़ने की माया, हमारी राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली, भारतीय संस्कृति की देन, एक कुत्ता और एक मैना, आलोचना का स्वतंत्र मान, साहित्यकारों का दायित्व
4.	कहानी	:	मानसरोवर भाग-1	प्रेमचंद्र राजकमल पैपर बैक्स, नई दिल्ली

निर्धारित कहानियां :

अलग्योझा, ईदगाह, बड़े भाईसाहब, नशा, ठाकुर का कुआं, घरजमाई, पूस की रात, गुल्ली-डण्डा, धिक्कार, लांछन

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी गद्य का इतिहास — डॉ. रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी गद्य का इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह
3. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन — डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
4. प्रसाद का नाट्य साहित्य — डॉ. भानुदेव शुक्ला
5. प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक एवं सामाजिक विवेचन — डॉ. जगदीश चंद्र जोशी
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद — (सं.) डॉ. सत्येन्द्र कुमार तनेजा
7. हिन्दी नाटक और रंगमंच: पहचान और परख — डॉ. इन्द्रनाथ मदान
8. नाटक और रंग परिकल्पना — डॉ. गिरीश रस्तोगी
9. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक — डॉ. रामजन्म शर्मा
10. मोहन राकेश के नाटक — डॉ. शिवराज यादव
11. नाटककार मोहन राकेश — डॉ. रीता कुमार
12. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश — गोविन्द चातक
13. कहानीकार प्रेमचंद्र, रचना दृष्टि — डॉ. शिवकुमार मिश्र
14. गोविन्द मिश्र का औपन्यासिक संसार — डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
15. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कथा साहित्य और ग्राम जीवन — डॉ. विवेकी राय
16. प्रेमचंद्र एक विवेचन इन्द्रनाथ मदान
17. प्रेमचंद्र चिंतन: अपनी जमीन — डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
18. प्रेमचंद्र का पुनर्मूल्यांकन — डॉ. शंभुनाथ
19. प्रेमचंद्र: व्यक्तित्व और रचना दृष्टि — डॉ. दयानंद पांडेय
20. शांति निकेतन से शिवालिक तक — सं. डॉ. शिवप्रसाद सिंह
21. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी: सृष्टि और दृष्टि — डॉ. हरिदास व्यास
22. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी: व्यक्तित्व और साहित्य — डॉ. गणपति चंद्र गुप्त
23. हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य में लालित्य योजना — डॉ. कविता रानी
24. प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार — डॉ. विभुराम मिश्र
25. हिन्दी निबन्धकार — जयनाथ नलिन
26. आधुनिक हिन्दी गद्य शैली का विकास — डॉ. श्याम वर्मा

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग-1
प्रश्नपत्र 3. हिन्दी साहित्य का इतिहास

खण्ड- क

1. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास: कालविभाजन एवं नामकरण

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास: लेखन की परम्परा एवं पुनर्लेखन की समस्याएं

4. आदिकाल की पृष्ठभूमि-

सिद्ध साहित्य,

नाथ साहित्य,

रासो साहित्य,

जैन साहित्य, तथा लौकिक साहित्य की सामान्य विशेषताएं

5. भक्तिकाल की पृष्ठभूमि एवं भक्ति आन्दोलन-

संत काव्यधारा: परंपरा तथा प्रवृत्तियां

सूफी काव्यधारा का विकास तथा प्रवृत्तिगत विशेषताएं

राम भक्ति काव्यधारा की परंपरा तथा उनका रचनागत वैशिष्ट्य

कृष्ण भक्ति काव्यधारा: परंपरा एवं प्रमुख प्रवृत्तियां

(भक्तिकालीन निम्नलिखित कवियों की प्रमुख रचनाएं तथा रचनागत वैशिष्ट्य अध्यन के लिए अपेक्षित है - नामदेव, नानक, कबीर, मुल्ला दाउद, जायसी, मंझन, तुलसी, नाभादास, सूरदास, नंददास, मीराबाई, रसखान और रहीम)।

6. रीतिकाल की पृष्ठभूमि, काल सीमा एवं नामकरण

-रीतिकाल की धाराओं की प्रवृत्तियां और विशेषताएं- (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त)

(निम्नलिखित कवियों का साहित्यिक परिचय अपेक्षित है- केशवदास, बिहारी, घनानंद, भूषण, देव, पद्माकर)

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड- ख

7. आधुनिक काल

आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

गद्य साहित्यः

-भारतेन्दु पूर्व गद्य का विकास
-हिन्दी की प्रमुख गद्य विधाओं का विकास
-कहानी
-उपन्यास
-नाटक
-निबन्ध
-संस्मरण
-रेखा चित्र
-जीवनी
-आत्मकथा
-आलोचना

(निम्नलिखित रचनाकारों का साहित्यिक परिचय अपेक्षित है- बालकृष्ण भट्ट, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद्र, जैनेन्द्र, फणीश्वरनाथ रेणु, यशपाल, अमृतलाल नागर, विद्या निवास मिश्र, रामदरश मिश्र, मन्नू भंडारी, उषा प्रियंवदा, नंद दुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, शिवकुमार मिश्र, नामवर सिंह, मैनेजर पांडेय)

पद्य साहित्य

- आधुनिक हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन
- भारतेन्दु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद
- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना की काव्यधारा
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नयी कविता
- साठोत्तर कविता
-समकालीन कविता
-नवगीत

(भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मैथिलीशरण गुप्त, हरिऔध, जयशंकर प्रसाद, निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, माखन लाल चतुर्वेदी, रामधारी सिंह दिनकर, हरिवंश राय बच्चन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, नरेश मेहता, रघुवीर सहाय, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, सुदामा पांडेय धूमिल, दुष्यंत कुमार, लीलाधर जगूड़ी, राजेश जोशी तथा अरुण कमल का साहित्यिक परिचय अपेक्षित है)

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं.) डॉ. नागेन्द्र
3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं : डॉ. रामविलास शर्मा
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1 तथा 2) : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. उत्तरी भारत की सन्त परम्परा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा
10. हिन्दी काव्य में निर्गुण संप्रदाय : डॉ. पीतांबरदत्त बड़थ्वाल
11. अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय भाग 1-2 : डॉ. दीनदयालु गुप्त
12. हिन्दी साहित्येतिहास: परंपरागत दृष्टिकोण एवं नए सिद्धांत : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
13. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास भाग-1 एवं भाग-2 : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन : डॉ. शिवकुमार मिश्र
15. साहित्य और इतिहास दृष्टि : डॉ. मैनेजर पांडेय
16. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
17. आदिकालीन हिन्दी साहित्य : डॉ. शंभुनाथ पांडेय
18. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
19. आधुनिक हिन्दी काव्य: उद्भव और विकास : डॉ. स्नेहलता पाठक
20. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी: कथ्य और शिल्प : डॉ. शिवशंकर पांडेय
21. आधुनिक हिन्दी कविता का वैचारिक पक्ष : डॉ. रतनकुमार पांडेय
22. साठोत्तरी हिन्दी कविता : डॉ. रतन कुमार पांडेय

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग-1

प्रश्न पत्र- 5- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पाठ्यपुस्तकें- (व्याख्या विवेचन हेतु निर्धारित)

1- विद्यापति पदावली - सं. रामवृक्ष बेनीपुरी
लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

वन्दना- 1, 2, 3
वयः सन्धि- 5, 9
नख-शिख- 10, 11, 12, 14, 15, 20
प्रेम-प्रसंग- 28, 29, 32, 35
विरह- 187, 188, 190, 191, 197, 198, 205, 206, 210 कुल 25 पद

2. कबीर - सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पद संख्या- 1, 3, 5, 10, 21, 22, 27, 41, 43, 46, 64, 66, 69, 73, 79, 94, 109, 112, 122, 127, 130, 137, 141, 147, 153, 160, 163, 168, 177, 191, 199, 201, 212, 213, 218, 224, 238, 245, 247, 250 कुल 40 पद

3. पद्मावत - मलिक मुहम्मद जायसी

<u>नागमती वियोग वर्णन तथा मानसरोदक खण्ड</u>

4- भ्रमरगीत सार - पद संख्या = 21 से 60 = 40 पद - सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

5. कवितावली -तुलसीदास
गीताप्रेस गोरखपुर

बालकांड- 2, 3, 5, 7, 10, 17 = 6
अयोध्याकांड- 1, 5, 6, 11, 12, 18, 21, 22 = 8
उत्तरकांड- 31, 60, 61, 62, 64, 65, 66, 67, 71, 72, 73, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 96, 97, 98, 99, 106, 107 = 26 कुल 40

6. घनानंद कवित्त संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी

व्याख्या के लिए निर्धारित पद-
2, 4, 6, 7, 8, 10, 11, 13, 14, 16, 17, 20, 23, 24, 29, 32, 34, 40, 44, 45, 47, 48, 52, 55, 58, 59, 60, 64, 69, 78, 82, 84, 91, 94, 97, 98, 99 100 = 40

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

1. विद्यापति -डॉ. शिव प्रसाद सिंह
2. कबीर की विचारधारा -डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
3. कबीर: व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धांत -डॉ. सरनाम सिंह
4. कबीर का रहस्यवाद - डॉ. रामकुमार वर्मा
5. कबीर साहित्य की परख -आ. परशुराम चतुर्वेदी
6. सूरदास का काव्य-वैभव -डॉ. मुंशीराम शर्मा
7. भारतीय साधना और सूर साहित्य - डॉ. मुंशीराम शर्मा
8. सूर की काव्य कला - डॉ. मनमोहन
9. सूर और उनका साहित्य - हरवंश लाल शर्मा
10. तुलसी और उनका युग - डॉ. राजपति दीक्षित
11. तुलसी दर्शन मीमांसा - डॉ. उदयभानु गुप्त
12. तुलसी: आधुनिक वातायन से - डॉ. रमेश कुन्तल मेघ
13. घनानंद - डॉ. कृष्णलाल शर्मा
14. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा - डॉ. मनोहर लाल गौड़
15. गीतिमुक्त कविता: मुक्त रचना विधान - चंद्रशेखर
16. मध्यकालीन कवि और कविता - डॉ. रतन कुमार पांडेय
17. मध्यकालीन काव्य- वैभव - डॉ. शीतला प्रसाद दुबे
18. मध्यकालीन काव्य: चिन्तन और संवेदना - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग-1

प्रश्न-पत्र- 7 प्रयोजनमूलक हिन्दी

खण्ड- क

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप एवं अवधारणा, ऐतिहासिक, परिप्रेक्ष्य (मुस्लिम तथा ब्रिटिश काल)
2. हिन्दी के विभिन्न रूप : सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा
3. राजभाषा हिन्दी का स्वरूप - संकल्पना एवं आवश्यकता। भारतीय संविधान में भाषा संबंधी उपबंध (संविधान की आठवीं अनुसूची)
4. राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान-
   - अनुच्छेद 343 से 351 तक
   - राष्ट्रपति के निर्देश
   - राजभाषा आयोग
   - संसदीय समिति
   - राजभाषा समितियां
   - भाषा-नीति संबंधी सरकारी संकल्प
   - राजभाषा की समस्याएं
5. सूचना-प्रौद्योगिकी में हिन्दी
6. हिन्दी का अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप

खण्ड-ख

7. विज्ञापन और हिन्दी
   - विज्ञापन स्वरूप और वर्गीकरण
   - विज्ञापन और बाजार
   - विज्ञापन और विभिन्न जनसंचार माध्यम
   - विज्ञापन एजेन्सियां
   - विज्ञापन निर्माण
   - विज्ञापन और कानून
8. अनुवादः
   - स्वरूप और प्रकृति
   - अनुवाद के सिद्धांत
   - अनुवाद प्रक्रिया
   - अनुवाद-प्रभेद
   - अनुवाद के उपकरण
   - अनुवाद के क्षेत्र एवं समस्याएं
   - अनुवादक की विशेषताएं
   - मुहावरे, कहावतें एवं लोकोक्तियों के अनुवाद

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

1. राष्ट्रभारती (हिन्दी मिशन) -आचार्य काका कालेलकर
2. भारतीय राष्ट्रभाषा सीमाएं -डॉ. सत्यव्रत
3. राजभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदोलन का इतिहास - डॉ. उदयनारायण दुबे
4. राजभाषा हिन्दी -प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
5. राजभाषा हिन्दी -डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी -डॉ. विनोद गोदरे
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और व्यवहार -डॉ. रघुनंदन प्रसाद शर्मा
8. प्रशासनिक हिन्दी: व्यावहारिक संदर्भ -महेशचंद्र गुप्त
9. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार -डॉ. ठाकुरदत्त आलोक
10. हिन्दी पत्रकारिता- स्वरूप और संदर्भ -डॉ. विनोद गोदरे
11. अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत और अनुप्रयोग -डॉ. नगेन्द्र
12. अनुवाद विज्ञान -डॉ. भोलानाथ तिवारी
13. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं -डॉ. भोलानाथ तिवारी
14. अनुवाद कला -डॉ. विश्वनाथ अय्यर
15. विज्ञापन सिद्धांत एवं प्रयोग -अशोक महाजन
17. विज्ञापन: व्यवसाय एवं कला -डॉ. रामचंद्र तिवारी
8. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग -डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग-1
प्रश्न-पत्र- 7 विकल्प
पत्रकारिता

खंड (क)

1. पत्रकारिता:

अर्थ और स्वरूप

2. **पत्रकारिता के विविध रूप: सामान्य परिचय**

खोजी पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, संसदीय पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, स्वास्थ्य पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, पीत-पत्रकारिता

3. भारत में पत्रकारिता का स्वरूप और विकास

4. हिन्दी पत्रकारिता उद्भव और विकास

5. **पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन:**

संपादकीय, कहानी, यात्रा वृत्तांत, एकांकी, व्यंग्य, लेख, समीक्षा, फीचर, साक्षात्कार

6. **मुद्रित पत्रकारिता:**

समाचार संकलन, समाचार लेखन, पृष्ठ सज्जा, ले-आउट, प्रूफ शोधन

7. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता:

रेडियो, टेलीविजन, मल्टीमीडिया, इंटरनेट

8. समाचार के स्रोत:

9. **पत्रकारिता प्रबंधन:**

क- प्रशासनिक व्यवस्था

ख- विंपणन व्यवस्था

ग- वितरण व्यवस्था

10. संपादक का दायित्व एवं संवाददाता की योग्यता तथा कार्य-पद्धति

Scanned with OKEN Scanner

खंड (ख)

12. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार

क. सूचना अधिकार, ख. अभिव्यक्ति का मौलिक अधिकार

13. प्रेस: कानून एवं आचार संहिता

14. मुक्त प्रेस की अवधारणा तथा पत्रकारिता का दायित्व

15. साहित्यिक पत्रकारिता का योगदान एवं समाचार पत्रों का बदला स्वरूप

16. भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिन्दी पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम — -डॉ. वेदप्रताप वैदिक
2. हिन्दी पत्रकारिता — -डॉ. अर्जुन तिवारी
3. समकालीन पत्रकारिता: मूल्यांकन और मुद्दे — -राजकिशोर
4. पत्रकार और पत्रकारिता — डॉ. रमेश जैन
5. आजादी के पचास वर्ष और हिन्दी पत्रकारिता — -सविता चड्ढा
6. समाचार पत्र व्यवस्थापन — अनंत गोपाल शेवड़े
7. पत्रिका: संपादन कला — -रामचंद्र तिवारी
8. संवाद और संवाददाता — -राजेन्द्र
9. मीडिया और साहित्य — -सुधीश पचौरी
10. समाचार फीचर लेखन और संपादन कला — -डॉ. हरिमोहन
11. पत्रकारिता के मूल सिद्धान्त — नवीनचंद्र पंत

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग-1

प्रश्न-पत्र-7 विकल्प

विशेष अध्ययन- स्त्री विमर्श एवं साहित्य

इस प्रश्न पत्र में दो विभाग होंगे (क) सैद्धांतिक और (ख) व्यावहारिक।

खंड क-

1. स्त्री अध्ययन की अवधारणा
2. स्त्री विमर्श की पृष्ठभूमि
3. यूरोप, अमेरिका और भारत में नारी आंदोलन (19वीं सदी के संदर्भ में)
4. हिन्दी में नारी लेखन-परंपरा (आधुनिक स्त्रीवादी लेखन)

खंड ख-

उपन्यास-

	1. रुकोगी नहीं राधिका	-उषा प्रियंवदा
	2. बेतवा बहती रही	-मैत्रेयी पुष्पा

कहानी संग्रह-

(लंबी कहानी)	1. ए लड़की	-कृष्णा सोबती
	2. यात्रा-मुक्त	-राजी सेठ

काव्य संग्रह-

~~इस पौरुषेय समय में~~ -कात्यायनी

'सात भाइयों के बीच चंपा'

संदर्भ ग्रंथ

1. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन
2. औरत, अस्तित्व और अस्मिता : अरविंद जैन, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली
3. स्त्रीत्ववादी विमर्श-समाज और साहित्य : क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाश
4. स्त्री परंपरा और आधुनिकता : राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
5. भारतीय समाज में नारी : डॉ. प्रभा आपटे, क्लासिक प्रकाशन
6. स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली
7. समकालीन महिला शेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, पूजा प्रकाशन
8. स्त्री विमर्श : डॉ. जगदीश्वर चतुर्वेदी
9. समाजवादी देशों की महिलाएं एक सिंहादलोकन : कुसुम त्रिपाठी, संगिनी प्रकाशन, मुंबई
10. परिधि पर स्त्री : मृणाल पांडे
11. औरत: उत्तर कथा : डॉ. राजेन्द्र यादव
12. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : ~~सुनीता~~ सुमन राजे
13. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार
14. स्त्री-पुरुषों के सम्बन्धों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत, साहित्य चंद्रिका प्रकाशन, राजापार्क, जयपुर.
15. 'द सैकंड सैक्स" : सिमोन द बुआर

एम.ए. हिन्दी: द्वितीय खण्ड

(For the Academic Year: 2007-2008, 2008-2009 & 2009-2010)

पाठ्यक्रम

■ प्रश्नपत्र द्वितीय	:	आधुनिक काव्य
Paper No. 2	:	Modern Poetry
■ प्रश्नपत्र चतुर्थ	:	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी-भाषा
Paper N. 4	:	Language and Languistics
■ प्रश्नपत्र- छठां	:	समीक्षा के सिद्धांत
Paper No. 6	:	
■ प्रश्नपत्र- आठवां	:	जनसंचार माध्यम
Paper No. 8	:	

अथवा

विशेष अध्ययन

■ दलित साहित्य एवं दलित विमर्श

अथवा

■ नाटक और रंगमंच

समिति

1. डॉ. एम.पी. सिंह -समन्वयक
2. डॉ. रामजी तिवारी -सदस्य
3. डॉ. मंजुला देसाई -सदस्य
4. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय -सदस्य
5. डॉ. माधव पंडित -सदस्य

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग-2
प्रश्न-पत्र- 2 आधुनिक काव्य

व्याख्या एवं विवेचन हेतु पाठ्य-पुस्तकें

1. कामायनी : जयशंकर प्रसाद

चिन्ता, श्रद्धा एवं आनंद सर्ग

2. राग विराग : संपादक डॉ. रामविलास शर्मा

सरोज स्मृति, रामकी शक्ति पूजा, तोड़ती पत्थर, कुकुरमुत्ता

3. मुक्तिबोध प्रतिनिधि कविताएं : संपादक अशोक वाजपेयी

अंधेरे में, लकड़ी का रावण, ब्रह्मराक्षस, भूल-गलती

4. आंगन के पार द्वार : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

पास और दूर, सूनी-सी सांझ एक चिड़िया ने ही कहा, अन्त: सलिला, असाध्यवीणा

5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना प्रतिनिधि कविताएं : संपादक प्रयाग शुक्ल

राजकमल पेपरबैक्स, नई दिल्ली

तुम्हारे साथ रहकर, काठ की घंटियां, अंधेरे का मुसाफिर, संतवाणी, मेरे भीतर की कोयल, अपनी बिटिया के लिए, इस मृत नगर में, लीक पर वे चलें, जंगल का दर्द, कुआनो नदी के पार

6. संसद से सड़क तक : सुदामा पांडेय धूमिल

बीस साल बाद, जनतंत्र के सूर्योदय में, अकाल-दर्शन, मोचीराम, कवि 1970, मुनासिब कार्रवाई, पटकथा

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

1. कामायनी काव्य-संस्कृति और दर्शन - डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं - डॉ. नगेन्द्र
3. युगकवि प्रसाद -डॉ. गणेश खरे
4. कामायनी प्रेरणा और परिणाम -सुरेन्द्र
5. कामायनीकार का रचना जगत और प्रत्यय -डॉ. रमाशंकर तिवारी
6. कामायनी -सं. कल्याणमल लोढ़ा
7. निराला -डॉ. रामविलास शर्मा
8. निराला की साहित्य साधना -डॉ. रामविलास शर्मा
9. निराला: आत्महंता आस्था -दूधनाथ सिंह
10. क्रांतिकारी कवि निराला -डॉ. बच्चन सिंह
11. अलक्षित निराला -डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
11. निराला -सं. डॉ. रामजी तिवारी
12. निराला की कविताएं और काव्य भाषा -रेखा खरे
13. निराला मूल्यांकन और मूल्यांकन -सं. परमानंद श्रीवास्तव
14. आधुनिक कविता का वैचारिक पक्ष -डॉ. रतन कुमार पांडेय
15. छायावादी काव्य: संदर्भ वैविध्य -डॉ. शीतला प्रसाद दुबे
16. जयशंकर प्रसाद का गीतिकाव्य -डॉ. शीतला प्रसाद दुबे
17. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष -डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
18. कटघरे का कवि धूमिल -डॉ. म.नु. अष्टेकर
19. शब्द और मनुष्य -डॉ. परमानंद श्रीवास्तव
20. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन -गजानन माधव मुक्तिबोध

Scanned with OKEN Scanner

21. कविता के नए प्रतिमान -डॉ. नामवर सिंह

22. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा -नन्दकिशोर आचार्य

23. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना -डॉ. नन्दकिशोर नवल

24. मुक्तिबोध -सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

25. नई कविता और अस्तित्ववाद -डॉ. रामविलास शर्मा

26. अज्ञेय: चिंतन और साहित्य -प्रेम सिंह

27. अज्ञेय -सं. विश्वनाथ तिवारी

27. अज्ञेय का काव्य: एक मूल्यांकन -डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

28. कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -मीनाक्षी व्यास

29. समकालीन हिन्दी कविता -विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

30. सर्वेश्वर का काव्य: संवेदना और संप्रेषण -डॉ. हरिचरण शर्मा

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग-2
प्रश्नपत्र- IV
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

खण्ड क

1. भाषा और भाषा-विज्ञान

(क) भाषाः परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य

(ख) भाषा विज्ञानः परिभाषा एवं स्वरूप, अध्ययन की दिशाएं- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

2. **भाषाओं का वर्गीकरण-** आकृतिमूलक, पारिवारिक, (भारोपीय परिवार एवं द्रविड़ भाषा परिवार के विशेष संदर्भ में)

3. **स्वन विज्ञान-** स्वन विज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएं, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद

4. **व्याकरण-**

-रूपिम विज्ञान का स्वरूप, रूपिम और संरूप की अवधारणा, रूपिम के भेद।

- वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, निकटस्थ अवयव, आंतरिक संरचना और बाह्य संरचना

5. **अर्थ विज्ञान-**

अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ बोध के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण।

खण्डः ख

6. **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-**

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं: (वैदिक तथा लौकिक संस्कृत) और उनकी विशेषताएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं- पालि, प्राकृत (शौरसेनी, अर्द्धमागधी), अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण

7. **हिन्दी का भाषिक स्वरूप-**

-हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था

-खंड्य, खंड्येतर स्वनिम

Scanned with OKEN Scanner

हिन्दी की रूप रचनाः

-उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

-लिंग, -वचन और कारक के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपान्तर।

हिन्दी की वाक्य रचनाः

पदक्रम और अन्विति

8. हिन्दी का भौगोलिक विस्तारः

हिन्दी की उपभाषाएं- पश्चिमी, पूर्वी, राजस्थानी, बिहारी और पहाड़ी हिन्दी तथा उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज एवं अवधी की विशेषताएं।

9. देवनागरी लिपिः

विशेषताएं एवं मानकीकरण।

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान की भूमिका -डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषा विज्ञान -डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की रूपरेखा -डॉ. हरीश शर्मा
4. सामान्य भाषा विज्ञान -डॉ. बाबूराम सक्सेना
5. आधुनिक भाषा विज्ञान -डॉ. भोलानाथ तिवारी
6. आधुनिक भाषा विज्ञान -डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
7. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र -डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8. भाषा ब्लूमफील्ड -डॉ. विश्वनाथ प्रसाद
9. भाषा और भाषिकी -डॉ. देवीशंकर द्विवेदी
10. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास -डॉ. उदय नारायण तिवारी
11. हिन्दी: उद्भव, विकास और रूप -डॉ. हरदेव बाहरी
12. हिन्दी भाषा विज्ञान अंक -केंद्रीय हिन्दी निदेशालय,
13. हिन्दी की लिपि संरचना -डॉ. भोलानाथ तिवारी
14. नागरी लिपि, रूप और सुधार -मोहन ब्रिज
15. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत -रामकिशोर शर्मा
16. अभिनव भाषा विज्ञान: सिद्धांत और प्रयोग -डॉ. उदय नारायण तिवारी

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. हिन्दी भाग- 2
प्रश्नपत्र- 6
काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

खंड - क

भारतीय काव्यशास्त्र

-रस सिद्धांत: रस का स्वरूप, रस-नियपति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
-अलंकार-सिद्धांत: मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार और अलंकार्य में अंतर।
-रीति-सिद्धांत: रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं।
-वक्रोक्ति- सिद्धांत: अवधारणा, भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
-ध्वनि-सिद्धांत: स्वरूप, प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य।
-हिन्दी-आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन: आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. नामवर सिंह, गजानन माधव मुक्तिबोध।

खंड :ख

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

-प्लेटो का काव्य-सिद्धांत

-अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत।

-लोंजाइनस: उदात्त की अवधारणा।

-मैथ्यू आर्नाल्ड: आलोचना का स्वरूप तथा प्रकार्य।

-टी.एस. इलिएट: परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण।

-आई.ए. रिचर्ड्स: व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण।

-सिद्धांत और वाद: आभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद,अस्तित्ववाद।

-आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियां: संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय साहित्य शास्त्र -डॉ. बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा -डॉ. नगेन्द्र
3. साहित्य का मूल्यांकन -डॉ. रामचंद्र तिवारी
4. रस सिद्धांत: स्वरूप और विश्लेषण -डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
5. रस सिद्धांत -डॉ. नगेन्द्र
6. काव्यतत्व विमर्श -डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
7. काव्यशास्त्र -डॉ. भगीरथ मिश्र
8. साहित्यशास्त्र - डॉ. कमलाप्रसाद पांडेय
9. भारतीय समीक्षा सिद्धांत -सूर्यनारायण द्विवेदी
10. ध्वनि सिद्धांत और हिन्दी के प्रमुख आचार्य -डॉ. टी.एन. राय
11. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत -डॉ. रामलाल सिंह
12. रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना -डॉ. रामविलास शर्मा
13. आलोचक का दायित्व -डॉ. रामचंद्र तिवारी
14. हिन्दी आलोचना का विकास -नंदकिशोर नवल
15. नामवर के विमर्श -डॉ. सुधीश पचौरी
16. पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत - डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
17. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र -डॉ. निर्मला जैन
19. उत्तर आधुनिकता: कुछ विचार -सं. देवीशंकर नवीन
20. उत्तर आधुनिक: साहित्यिक विमर्श -डॉ. सुधीश पचौरी
21. समीक्षा के विविध आधार -सं. रामजी तिवारी
22. पाश्चात्य काव्य चिंतन -डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग 2
प्रश्नपत्र-8 जनसंचार माध्यम

खण्ड (क)

1. जनसंचारः स्वरूप विश्लेषण
2. संचार प्रक्रिया के तत्त्व
3. जनसंचार माध्यम की अवधारणा
4. जनसंचार माध्यम के विविध रूप
   - (क) मुद्रित माध्यम
   - (ख) आकाशवाणी
   - (ग) दूरदर्शन
   - (घ) फिल्म
   - (ङ) इंटरनेट
5. जनसंचार माध्यमों का दायित्व
   - -सामाजिक
   - -राजनीतिक
   - -आर्थिक
   - -सांस्कृतिक
   - -शैक्षणिक
   - -नैतिक
6. जनसंचार माध्यम और विज्ञापन
7. संचार माध्यमों की भाषा
8. जनसंचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग सामर्थ्य एवं सीमाएं

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड (ख)

9. माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप एवं प्रमुख प्रकार-

(समाचार, भेंटवार्ता, लेख, फीचर, समीक्षा,संवाद, रिपोर्ताज, वृत्तचित्र, परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी)

10. मुद्रित माध्यमोपयोगी लेखन-

समाचार, संपादकीय, फीचर और साक्षात्कार।

11. रेडियो लेखन- रेडियो लेखन के अनिवार्य तत्व

(क) रेडियो नाटक लेखन

(ख) रेडियो वार्ता

(ग) रेडियो नाट्य रूपान्तर

(घ) रेडियो आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)

12. टेलीविजन के लिए लेखन-

-टेलीविजन समाचार लेखन

-टेलीविजन नाटक लेखन

-टेलीविजन धारावाहिक लेखन

-टेलीफिल्म लेखन

13. सिनेमा के लिए लेखन-

-फीचर फिल्म लेखन- पटकथा-लेखन हेतु आवश्यक तत्व, पटकथा-लेखन के प्रारूप, पटकथा-लेखन की विभिन्न शैलियां

-वृत्तचित्र लेखन

14. विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि

15. साहित्यिक विधाओं का दृश्य-श्रव्य रूपान्तर

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ-ग्रंथ

1. आधुनिक संचार माध्यम और हिन्दी -डॉ. हरिमोहन
2. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता -डॉ. हरिमोहन
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग -डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा
4. समकालीन पत्रकारिता: मूल्यांकन और मुद्दे -राजकिशोर
5. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र -जावरी मल्ल पारख
6. मीडिया और साहित्य -सुधीश पचौरी
7. संपर्क भाषा हिन्दी और आकाशवाणी -डॉ. पवूर शशीन्द्रन
8. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम: रेडियो एवं दूरदर्शन -डॉ. राममोहन पाठक
9. कम्प्यूटर और सूचना तकनीक -डॉ. शंकर सिंह
10. हिन्दी पत्रकारिता: दूरदर्शन और टेलीफिल्में -सविता चड्ढा
11. आजादी के पचास वर्ष और हिन्दी पत्रकारिता -सविता चड्ढा
12. जनमाध्यम और मास कल्चर -जगदीश्वर चतुर्वेदी
13. कम्प्यूटर और हिन्दी -डॉ. हरिमोहन
14. पत्रकार और पत्रकारिता -डॉ. रमेश जैन
15. मीडिया लेखन -विजय कुलश्रेष्ठ
16. मीडिया लेखन -डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र
17. मीडिया लेखन -सं. डॉ. रमेश चंद्र त्रिपाठी डॉ. पवन अग्रवाल
18. समाचार, फीचर लेखन और संपादन कला -डॉ. हरिमोहन
19. समाचार - लेखन गोविंद पंत

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. भाग-2
प्रश्नपत्र-8 विकल्प (I) दलित विमर्श एवं साहित्य

सैद्धांतिक

1. दलित साहित्य की अवधारणा
2. दलित साहित्य का विकास
3. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

व्यावहारिक

आत्मकथा-

1. तिरस्कृत — -सूरजपाल चौहान
2. क्रौंच हूं मैं — -श्योराज सिंह बेचैन

उपन्यास-

1. जसतस भई सवेर — -सत्यप्रकाश
2. पहला ख़त — -डॉ. धर्मवीर

कहानी-

आवाजें — -मोहनदास नैमिशराय

कविता- गूंगा नहीं हूं मैं — -जयप्रकाश कर्दम

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ-ग्रंथ

1. आलोचना का समाजशास्त्र -मुद्राराक्षस
2. भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री -डॉ. चमनलाल
3. मेरा दलित चिंतन -डॉ. एन. सिंह
4. दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में -डॉ. पुरुषोत्तम
5. दलित चेतना -सं. रमणिका गुप्ता
6. आज का दलित साहित्य -डॉ. तेज सिंह
7. दलित चेतना: साहित्य -सं.रमणिका गुप्ता
8. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र -ओमप्रकाश वाल्मीकि
9. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र -शरणकुमार लिंबाले
10. कथाक्रम -दलित विशेषांक

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. हिन्दी- भाग-2
प्रश्नपत्र- 8 विकल्प- (II)
नाटक और रंगमंच

1. भारत दुर्दशा	-भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. स्कन्दगुप्त	-जयशंकर प्रसाद
3. आधे अधूरे	-मोहन राकेश
4. एक और द्रोणाचार्य	-शंकर शेष
5. प्रजा ही रहने दो	-गिरिराज किशोर
6. सिंहासन खाली है	-सुशील कुमार सिंह

संदर्भ-ग्रंथ

1. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन	-डॉ. गिरीश रस्तोगी
2. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव	-विश्वनाथ मिश्र
3. हिन्दी नाटकों की शिल्पविधि	-श्रीमती गिरिजा सिंह
4. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास	-दशरथ ओझा
5. भारतेन्दु के नाटक	प्रकाशक - बंगीय हिन्दी परिषद, कलकत्ता
6. प्रसाद के नाटकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन	-डॉ. जगन्नाथ शर्मा
7. नाटककार जयशंकर प्रसाद	-सं. डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
8. हिन्दी नाटक और रंगमंच पहचान और परख	-डॉ. इन्द्रनाथ मदान
9. मोहन राकेश के नाटक	-डॉ. शिवराज यादव
10. हिन्दी नाटक	-बच्चन सिंह
11. आधुनिक हिन्दी नाट्यकारों के नाट्य सिद्धांत	-डॉ. निर्मला हेमन्त
12. नाट्य प्रस्तुति: एक परिचय	-रमेश राजहंस
13. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक	-डॉ. रामजन्म शर्मा
14. रंग कर्म	-केशव चंद वर्मा

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र का स्वरूप

1. प्रश्नपत्र क्रमांक 1, 2, 5 तथा नाटक और रंगमंच (प्रश्नपत्र क्र. 8) में प्रत्येक पाठ्य-पुस्तक से एक-एक गद्यांश/पद्यांश व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। कुल 40 अंकों के लिए उनमें से किन्हीं 4 की संसदर्भ व्याख्या करना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त कुछ 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। इसके लिए 40 अंक निर्धारित होंगे। अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा अति लघुत्तरी जैसे दो भागों में बंटा होगा। दोनों के लिए 10-10 अंक निर्धारित होंगे।

2. स्त्री विमर्श एवं साहित्य (प्रश्नपत्र क्र. 7) और दलित विमर्श एवं साहित्य (प्रश्नपत्र क्र. 8 में खंड क से 20 अंकों हेतु विकल्प सहित प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड ख से प्रत्येक पाठ्य-पुस्तक में से एक-एक गद्यांश/पद्यांश व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे, जिमें से किन्हीं तीन की संसदर्भ व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 30 अंक निर्धारित हैं। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पाठ्य-पुस्तक से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किन्हीं तीन का उत्तर अपेक्षित होगा। इसके लिए भी 30 अंक निर्धारित हैं। अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा अति लघुत्तरी दो भागों में बंटा होगा, जिसके लिए 10-10 अंक निर्धारित हैं।

3. शेष प्रश्नपत्रों में कुल 8 प्रश्न होंगे। प्रथम सात प्रश्न आलोचनात्मक होंगे। जिनमें से किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। अंतिम 8वां प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा लघुत्तरी प्रश्न दो भागों में विभाजित होगा। दोनों के लिए 10-10 अंक निर्धारित हैं।

4. प्रश्नपत्र क्र. 3 में आंतरिक विकल्प के साथ प्रश्न पूछे जाएंगे तथा अंतिम प्रश्न केवल आधुनिक काल पर पूछा जाएगा।

Scanned with OKEN Scanner